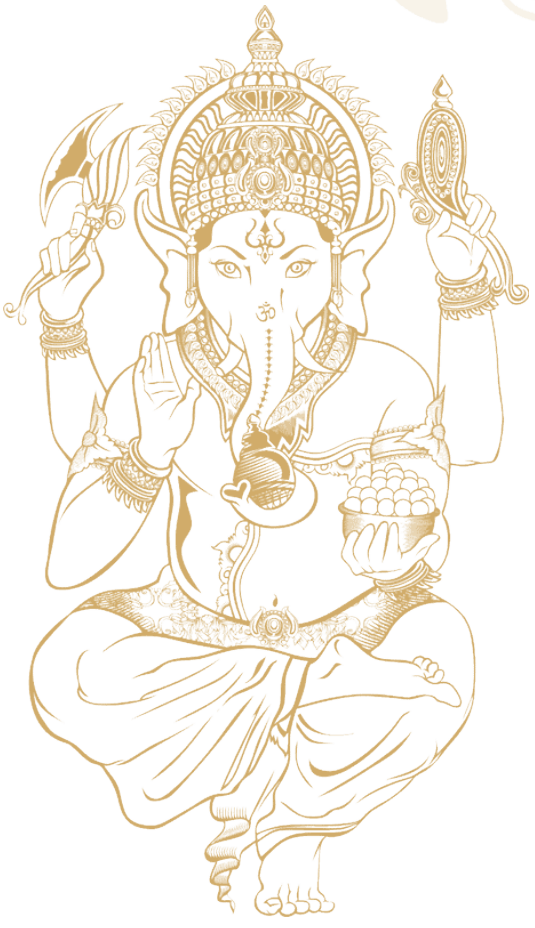

Mr.Dr Amitesh Pandey

Ms.Dr Rajshree Shukla

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120732602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/11/1995	जन्म तिथि	04/08/1999
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:10:00	जन्म समय	23:25:00 घंटे
घटी 24:52:32	जन्म समय(घटी)	44:36:20 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Rajnandgaon
22:03:00 उत्तर	अक्षांश	21:05:00 उत्तर
82:12:00 पूर्व	रेखांश	81:05:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:12	स्थानिक संस्कार	-00:05:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:59	सूर्योदय	05:40:22
17:18:26	सूर्यास्त	18:42:49
23:48:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:53

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 2वर्ष 1मा 22दि	09:57:24	मेष	लग्न	मेष	17:15:43	शुक्र 12वर्ष 6मा 4दि
सूर्य	28:47:01	तुला	सूर्य	कर्क	18:03:56	चन्द्र
06/01/2025	28:19:04	कर्क	चंद्र	मेष	18:19:33	07/02/2018
07/01/2031	24:50:36	वृश्चि	मंगल	तुला	19:25:06	07/02/2028
सूर्य 26/04/2025	24:13:57	तुला	बुध व	कर्क	04:50:21	चन्द्र 08/12/2018
चन्द्र 26/10/2025	25:13:08	वृश्चि	गुरु	मेष	10:27:48	मंगल 09/07/2019
मंगल 02/03/2026	21:08:33	वृश्चि	शुक्र व	सिंह	10:38:59	राहु 07/01/2021
राहु 25/01/2027	24:13:50	कुंभ व	शनि	मेष	22:46:21	गुरु 09/05/2022
गुरु 13/11/2027	01:06:09	तुला व	राहु व	कर्क	19:07:24	शनि 08/12/2023
शनि 25/10/2028	01:06:09	मेष व	केतु व	मक	19:07:24	बुध 09/05/2025
बुध 01/09/2029	03:23:30	मक	हर्ष व	मक	21:05:20	केतु 08/12/2025
केतु 07/01/2030	29:26:29	धनु	नेप व	मक	08:52:32	शुक्र 09/08/2027
शुक्र 07/01/2031	06:22:54	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:56:43	सूर्य 07/02/2028

लग्न-चलित

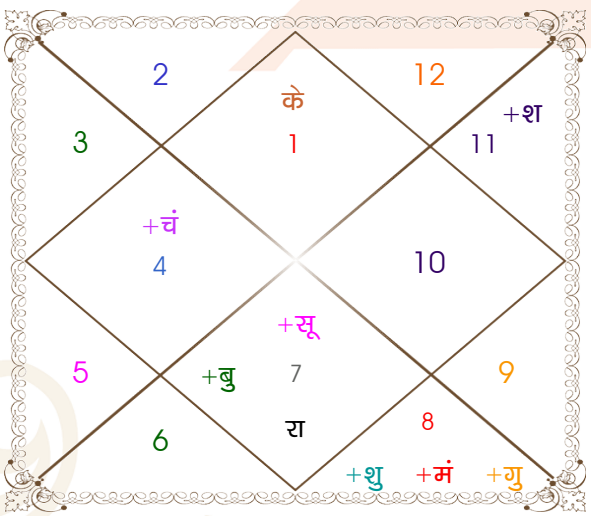

लग्न-चलित

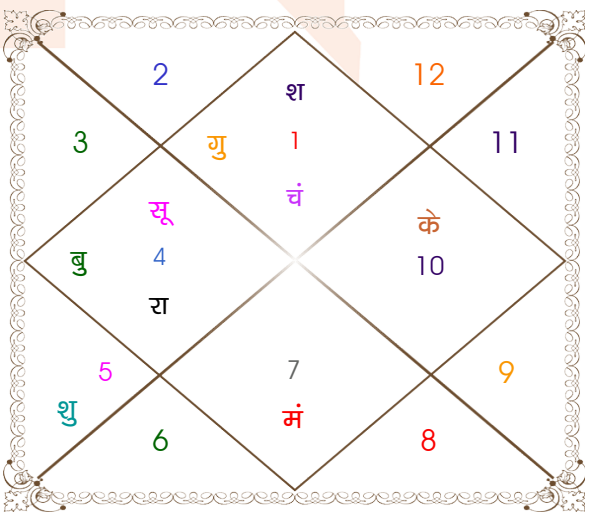

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण्क्त ।उपजमी च्दकमल का वर्ग श्वान है तथा डेण्क्त त्रीतमम ैनासं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्क्त ।उपजमी च्दकमल और डेण्क्त त्रीतमम ैनासं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्क्त ।उपजमी च्दकमल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्क्त ।उपजमी च्दकमल कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण्क्त ।उपजमी च्दकमल कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्क्त त्ंरीतमम ैनासं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डेण्क्त त्ंरीतमम ैनासं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण्क्त ।उपजमी च्ंदकमल कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्क्त ।उपजमी च्ंदकमल कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्क्त ।उपजमी च्ंदकमल तथा डेण्क्त त्ंरीतमम ैनासं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।